बनू ज़ुरैक़ के एक व्यक्ति ने, जिसे लबीद बिन आसम कहा जाता था, अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) पर जादू कर दिया था, जिसके कारण आपको लगता था कि आपने कोई काम कर लिया है, हालाँकि वह काम नहीं किया होता

आइशा (रज़ियल्लाहु अनहा) कहती हैं कि बनू ज़ुरैक़ के एक व्यक्ति ने, जिसे लबीद बिन आसम कहा जाता था, अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) पर जादू कर दिया था, जिसके कारण आपको लगता था कि आपने कोई काम कर लिया है, हालाँकि वह काम नहीं किया होता। यहाँ तक कि एक दिन या एक रात को आप मेरे पास थे। लेकिन, आपने बड़ी देर तक दुआ की और फिर फ़रमाया: ऐ आइशा! अल्लाह से मैंने जो प्रश्न पूछा था, उसने मुझे उसका उत्तर दे दिया है। मेरे पास दो व्यक्ति आए। एक मेरे सर के पास बैठा और दूसरा मेरे पाँव के पास। दोनों में से एक ने अपने साथी से पूछा: इस आदमी को कौन- सी बीमारी हुई है? दूसरे ने उत्तर दिया: इसपर जादू कर दिया गया है। पहले ने पूछा: किसने जादू किया है? दूसरे ने कहा: लबीद बिन आसम ने। पहले ने पूछा: किस चीज़ में? दूसरे ने उत्तर दिया: कंघे तथा सर के बाल में, जो नर खजूर के खोशे में रखे हुए हैं। पहले ने कहा: वह कहाँ है? दूसरे ने कहा: ज़रवान कुएँ में। फिर अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) अपने कुछ साथियों के साथ वहाँ गए और वापस आने के बाद बोले: ऐ आइशा! उसका पानी ऐसा (लाल) प्रतीत हो रहा था, जैसे मेंहदी के पत्तों का रस हो या उसके पेड़ों के सर ऐसे लग रहे थे, जैसे शैतानों के सर हों। मैंने कहा: ऐ अल्लाह के रसूल! आपने उसे निकाला क्यों नहीं? आपने फ़रमाया: चूँकि अल्लाह ने मुझे स्वास्थ्य प्रदान कर दिया है, इसलिए मैंने इस बात को नापसंद किया कि लोगों के अंदर कोई बुराई फैलाऊँ। फिर आपने कुएँ को पाट देने का आदेश दिया और उसे पाट दिया गया।
[सह़ीह़] [इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

https://sunnah.global/hadeeth/hi/show/10570